



**किसी भी तरह के  
विज्ञापन एवं समाचार  
के लिए संपर्क करें मो०:  
**9891706853****

**दैनिक** **समाज जागरूक** **TITLE CODE :UPHIN49919**

**TITLE CODE :UPHIN49919**



नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

વર્ષ: 1 અંક: 124 નોએડા, (ગૌતમબુદ્ધ

શુક્રવાર 17 ફરવરી 2023

<http://samajjagran.in> पेज 12 मूल्य 05 रुपया

## गौरी भईया फुटबॉल प्रतियोगिता

**क्वार्टर फाइनल में पहुंची मेजबान बलिया, आज होंगे मुकाबले**

<b><u>शशिकांत ओझा, ब्यूरो चीफ,</u></b>	व 50वें मिनट में फारूक ने गोल
<b><u>समाज जागरण</u></b>	कर स्पोर्ट्स हॉस्टल अयोध्या को 2-
<b>बलिया :</b> खेल निदेशालय उत्तर	0 से पराजित किया।

प्रदेश के तत्वावधान में आया जत  
'स्वर्गीय गौरी भईया राज्य आमंत्रण  
पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता' के दूसरे  
दिन लीग राउंड के चार मुकाबले  
खेले गए। मेजबान बलिया की टीम  
क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।  
शुक्रवार को मेजबान बलिया का  
सामना प्रयागराज से होगा।  
प्रतियोगिता के दूसरे दिन जिला  
सहकारी बैंक के चेयरमैन विनोद  
शंकर दूबे, पूर्व मंत्री राजधारी सिंह

## इनके-इनके बीच होंगे क्वार्टर फाइनल



एवं भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू ने अलग अलग मैचों में बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। समस्त आगंतुकों का स्वागत एवम धन्यवाद ज्ञापन प्रतियोगिता के संयोजक पूर्व खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी ने किया।

का सामना स्पोर्ट्स कॉलेज सफई से होगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच स्पोर्ट्स हॉस्टल वाराणसी व स्पोर्ट्स हॉस्टल अयोध्या, वहाँ चौथा क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान बलिया व प्रयागराज के मध्य खेला जाएगा।

**इन्होंने ने निभाई**

इहान नामगद्  
निर्णायिक की भूमिका

निर्णायिक की भूमिका उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा नामित राशिद, प्रदीप मिश्रा, निताई सरदार, उपेंद्र शुक्ला, मनोज तिवारी, मेहरुदीन खान, इफ्तिखार खान, मोहम्मद रजाउल्लाह, जयराम यादव व अमल कुंवर ने निर्भाई । मैच कमिशनर के रूप में मोहम्मद आरिफ नजरी उपस्थित रहे । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मेजर दिनेश सिंह एवं संचालन जिला फुटबॉल संघ के सचिव अरविंद कुमार सिंह एवं नीरज राय ने संयुक्त रूप से किया । इस दौरान उप क्रीड़ा अधिकारी अजय प्रताप साहू, पवन कुमार राय, अम्बरीष महादेव, सिद्धार्थ सिंह गोलू, मोहम्मद जावेद, रोहित भारद्वाज, अदालत सिंह आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया ।

## जिलाधिकारी ने ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस की तैयारियों का लिया जायजा

**शाशिकांत ओड़ा, ब्यूरो चीफ, समाज जागरण**  
बलिया : जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने ग्रीनफील्ड पासपोर्ट वेक्स की तिरापां कार्य के उपकार्ता के संबंध

एक्सप्रेस-व क निर्माण काय क शुरूआत क सबध



में चितबडागांव क्षेत्र का निरीक्षण किया

निरीक्षण का उद्देश्य आगामी 27 फरवरी को केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के आगमन की तैयारियों का जायजा लेना था। मंत्री अधिकारी प्रवीण वर्मा, अपर जिलाधिकारी राजेश सिंह के अतिरिक्त चितबड़गांव के इन्हों अनिल कुमार उपस्थित थे।

# गया में रेलवे सुरक्षा बल व लाख कैश बरामद, शक के 3

जा रहा है, इस मामले में आयकर विभाग का मदद से भी जांच को बढ़ाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार गया स्टेशन परिसर पर अपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। उसी दैराना प्लेटफार्म संख्या एक से 2 व्यक्तियों को सदेहपूर्ण अवस्था में अपने-अपने कंधे में बैग लिए हुए देखा गया, जो अधिकारियों व बल सदस्य को निगरानी करते देख उनसे बचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसी स्थिति को भांपते हुए आरपीएफ की टीम ने शक के आधार पर दोनों व्यक्तियों से पूछताछ

की, तो दोनों ने अपने को पिता व पुत्र बताया. अपने

नाम व पता पंकज कुमार पिता  
हुक्म चंद गुप्ता पता 178  
सिविल लाइन थाना जगधरी जिला  
यमुना नगर हरियाणा और राघव  
गुप्ता पिता पंकज कुमार बताया  
हरियाणा के रहे दोनों व्यक्ति  
अपने को बर्तन का व्यापारी बताया  
तथा भारतीय मुद्रा अपने-अपने बैंक  
में रखे होने की बात स्वीकृत  
किया। इसके बाद उन्हें पोस्ट प्रलाया गया और अलग-अलग  
बारी-बारी से उन दोनों के द्वारा बैंक  
में रखे भारतीय मुद्रा को निकाला  
गया। इस क्रम में पंकज गुप्ता  
(पिता) के पास से कुल 7.7  
लाख तथा राघव गुप्ता पुत्र के पास से 10.57 लाख

बरामद किए गए, कुल 18.36 लाख रुपए बरामद किए गए, बताया है कि सासाराम एवं गया के व्यापारियों को स्टील के बर्तन बेचे थे और उसी के तकादा के रुपए हैं। हालांकि मौके पर कोई वैध कागजात दिखाने में दोनों असफल रहे। गाड़ी संख्या 12301 अप (हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस) से दोनों को गया से नई दिल्ली तक जाना था। इस मामले में मौके की कार्रवाई के तहत जर्ब सूची तैयार करते हुए कुल रुपए को जान किया गया है और अग्रिम कार्रवाई के लिए सौरभ उपाध्याय एडीआईटी यूनिट वन पटना एवं अनुकूल आनंद आईटीओ पटना तथा सुरेश प्रसाद आईटीओ गया को अग्रिम कानूनी कार्रवाई करने हेतु आयकर विभाग गया के सक्षम अधिकारी को उचित पावर लेते हुए गिरफ्तार सुधा दोनों व्यक्ति को सुपुर्द किया गया।

गया में रेलवे सुरक्षा बल व सीआईबी की कार्टवाई में 18 लाख कैश बरामद, शक के आधार पर दो को पकड़ा गया

संप्रदायिक हिंसा की आग में  
जल रहा पलामू जिले के पांकी,  
नियंत्रण के लिए पाकी को पुलिस  
छावनी में किया गया तब्दील।

रांची/ मैदानीनगर (झारखण्ड) 16 फरवरी 2023: सबीते 2 दिनों से सांप्रदायिक हिंसा की आग में जल रहा पलामू जिला के पाकी सौहार्द वातावरण। निर्माण के लिए और भड़के सांप्रदायिक हिंसा पर काबू के लिए को पांकी को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। धारा 144 भी लगाए गए हैं। जो 19 फरवरी 2023 तक लागू रहेंगे, शेष पृष्ठ संख्या 10 पर



# रानी गाइदिनल्यू

रानी गाइदिनल्यू (जन्म- 26 जनवरी, 1915, मणिपुर, भारत; मृत्यु- 17 फरवरी, 1993) भारत की प्रसिद्ध महिला क्रांतिकारियों में से एक थीं। उन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए नगालैंड में अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम दिया। ज़ँसी रानी की रानी लक्ष्मीबाई के समान ही वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए इन्हें 'नगालैंड की रानी लक्ष्मीबाई' कहा जाता है। ज़ँसी रानी गाइदिनल्यू को अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया, तब पैदित जवाहरलाल नेहरू ने कई वर्षों की सज़ा काट चुकीं रानी को रिहाई दिलाने के प्रयास किए। किंतु अंग्रेजों ने उनकी इस बात को नहीं माना, क्योंकि वे रानी से बहुत भयभीत थे और उन्हें अपने लिए खतरनाक मानते थे।

#### जन्म तथा स्वभाव

रानी गाइदिनल्यू का जन्म 26 जनवरी, 1915 ई. को भारत के मणिपुर राज्य में पश्चिमी ज़िले में हुआ था। वह बचपन से ही बड़े स्वतंत्र और स्वाभिमानी स्वभाव की थीं। 13 वर्ष की उम्र में ही वह नगालैंड के सम्पर्क में आई। जादेनाग मणिपुर से अंग्रेजों को निकाल बाहर करने के प्रयत्न में लगे हुए थे। वे अपने आन्दोलन को क्रियात्मक रूप दे पाते, उससे पहले ही गिरफ्तार करके अंग्रेजों ने उन्हें 29 अगस्त, 1931 को फ़ॉसी पर लटका दिया।

#### क्रांतिकारी जीवन

जादेनाग के बाद अब स्वतंत्रता के लिए चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व बालिका गाइदिनल्यू के हाथों में आ गया। उन्होंने महात्मा गांधी के आन्दोलन के बारे में सुनकर लिटिंग सरकार को किसी भी प्रकार कार कर न देने की घोषणा की। नागाओं के कबीलों में एकता स्थापित करके उन्होंने अंग्रेजों के विशुद्ध संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए कदम उठाये। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व और निर्भयता के देखकर जनजातीय लोग उन्हें संवेदनकारी देवी माने लगे थे। नेता जादेनाग को फ़ॉसी दे दिए जाने से भी लोगों में असंतोष व्याप्त था, गाइदिनल्यू ने उसे सही दिशा की ओर मोड़ा। सोलह वर्ष की इस बालिका के साथ केवल वह हजार संस्कृत नाग सिपाही थे। इन्होंने लेकर भूमित गाइदिनल्यू ने अंग्रेजों की फौज का सामना किया। वह गुरिल्ला युद्ध और शर्क शंचलन में अत्यन्त निपुण थीं। अंग्रेज उन्हें बड़ी ख़ुंख़ार नेता मानते थे। दूसरी ओर जनता का हर वर्ग उन्हें अपना उद्धरक समझता था।

#### गिरफ्तारी

रानी गाइदिनल्यू पर जारी डाक टिकट रानी गाइदिनल्यू जारे आन्दोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों ने वहाँ के गढ़ गंग जलकर राख कर दिए। पर इससे लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। असंस्कृत नागों ने एक दिन खुले अपने 'असम राइफल्स' की सरकारी चौकी पर हमला कर दिया। स्थान बदलते, अंग्रेजों की सेना पर छापामार प्रहर करते हुए गाइदिनल्यू ने एक इतना बड़ा कि ला बनाने का निश्चय किया, जिसमें उनके चार हजार नागों साथी रह सकें। इस पर काम चल ही रहा था कि 17 अप्रैल, 1932 को अंग्रेजों की सेना ने अचानक आक्रमण कर दिया। गाइदिनल्यू गिरफ्तार कर ली गई। इस समय रानी ने कहा था, "मैं उनके लिए ज़ंगली जानवर के समान थी, इसलिए एक मजबूत रस्सी मेरी कमरा है और बांधी गई। पहाड़े दिन कोहिमा में वह रानी गाइदिनल्यू की रिहाई के लिए अंग्रेजों के एक देशी रियासत होने के कारण इस कार्य में सफलता नहीं मिली। अंग्रेज अब भी रानी गाइदिनल्यू को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानते थे और उनकी रिहाई से भयभीत थे।"

#### अंग्रेजों का भय

सन् 1937 में पैदित जवाहरलाल नेहरू को असम जाने पर रानी गाइदिनल्यू की वीरता का पता चला तो उन्होंने उन्हें 'नागाओं की रानी' की सँझा दी। नेहरू जी ने उनकी रिहाई के लिए बहुत प्रयास किया, लेकिन मणिपुर के एक देशी रियासत होने के कारण इस कार्य में सफलता नहीं मिली। अंग्रेज अब भी रानी गाइदिनल्यू को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानते थे और उनकी रिहाई से भयभीत थे।

#### रिहाई तथा समाप्त

1947 ई. में देश के स्वतंत्र होने पर ही रानी गाइदिनल्यू जेल से बाहर आ रही। जब वे रिहा होकर आईं, तो नागाओं ने उनका भव्य स्वागत दुआ। अपने दिन रानी के बाद कुछ समय रानी ने अवकाश के रूप में बिताया। तपत्थान अपने क्षेत्र के कबीले की राजनीतिक तथा सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाना शुरू कर दिया। रानी ने इस देश की आजादी के लिए अपनी जावानी तक बलि पर चढ़ा दी थी। इस अनुरूप त्याग के लिए उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका जीवन भारतीय महिलाओं को सोचै देश की आजादी के लिए नगालैंड के समान ही वीरतापूर्ण कार्रवाई करने के लिए इन्होंने देश की आजादी की ओर भवित्वात् की ख़ुशी दी थी।

## संजीव-नी। मेरा भी लहू लाल रंग का।

यह दौरे जहाँ है अब अलग सा।

अकेला था आज भी अकेला हूँ,  
भीड़ में अभी खड़ा अलग सा।

ये नाते ये रिश्ते, अपनों का मायाजाल,  
फिर क्यों सब का हिसाब अलग सा।

आज भी लोग भी वही दुनिया भी  
वही फिर क्यों सबका रस्ता अलग सा।

सबाल पूछा ईश्वर से मैंने, सब को बनाया एक सा,  
फिर मुझ क्यों बनाया अलग थलग सा।

मेरा भी लहू लाल रंग का उसका भी लहू लाल रंग का,  
फिर क्यों सबका मज़हब बनाया अलग सा।

उपदेश देकर सब भला करते हैं सभी का,  
ईश्वर को क्यों सूली पर चढ़ाया अलग सा।

ज़आ जी सब खेलते हैं हारते भी हैं  
फिर क्यों द्रोपदी का चीर हरण हुआ अलग सा।

मेरी मानो आओ मेरे साथ ,  
नया संसार बनाएं अनोखा अलग सा।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़,

## संपादकीय

नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 17 फरवरी 2023

# किसान जागरण के पुरोधा स्वामी सहजानंद स्वरसती

#### समाज जागरण राम रत्न प्रसाद सिंह रत्नाकर

दंडी सन्यासी स्वामी सहजानंद सरस्वती किसान जागरण के पुरोधा थे। 18 वर्ष के आयु में गृह त्याग करने के बाद भगवान की खोज में मठ मंदिर एवं तीर्थस्थलों में भ्रमण करने के बाद भगवान का दर्शन नहीं हुआ। क्योंकि वह किसान भगवान को खोज रहे थे। खेतों में हल चलाते कुदाल चलाते, फसलों की बुआई करते गर्मी, बरसात, ठंडक का सामान करते हुए किसानों का दर्शन हुआ। वे अनन्दाता हैं विडंबना है कि अनन्द का उपज का बड़ा हिस्सा जमीदारों ने नीलाम कर दिया था उसमें हल चलाकर अपना अधिकार

संचालन करने वाले मुख्य रूप से यदुनंदन शर्मा थे और स्वामी जी की भी-कभी-कभी गति देने के लिए आया करते थे। किसान जागरण से सत्याग्रह में सरस्वती के लिए आया।

स्वामी सहजानंद के प्रति आस्थावान काशीचक प्रखंड के रेवा गांव का है। जहाँ पुरुषों के साथ नारियों ने भी जिस जमीन को जमीदारों ने नीलाम कर दिया था उसमें हल चलाकर अपना अधिकार

जगाया और मैला आंचल पुस्तक लिखे जिसमें किसानों के दर्द को स्थान दिया। प्रभाकर मायवे ने वागपत उत्तर प्रदेश में किसान जागरण का शख्सनाद किया। तो मुल्क राज आनंद ने त्रिपुरा में, पैडित पदम सिंह शर्मा ने पश्चिम उत्तर प्रदेश में किसानों को किसान सभा से जोड़ा।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने बेगुसराय के आसपास के किसानों को अपने हक के लिए संघर्ष करने का संदेश दिया। स्वामी सरस्वती के लेख किसान बुलेटिन, दिल्ली, बीरबल, लखनऊ संघर्ष लखनऊ किसान गठन का गठन किया। 1927 से 28 में पटना जिला किसान सभा का गठन किया।

1929 सोनपुर हरी-रह्मान श्वेतांग के लिए आया। इसके बाद जमीदार और अंग्रेजी गर्ज की जमीदारी जमीदार हड़प लेते थे और किसान परिश्रम करने के बाद भी किसानों को कुछ नहीं मिलता था।

शोषण अन्याय के चक्रकी में पिसते किसान प्रतिकार भी नहीं कर पाते थे और सब कुछ भाया और भगवान पर छोड़ देते थे। वह स्थिति बहुत ही दुखद था तो स्वामी सहजानंद सरस्वती ने निश्चय कर लिया कि किसान ही हमारे भगवान के लिए उन्हें अथक प्रयत्न किया। इसके बाद वह रात्रि आवाहन करने के बाद जमीदारी की भागीदारी हुई खासकर पूर्व विद्यायक स्वर्गीय राम किशन सिंह, मकनपुर निवासी स्वर्गीय नुनु सिंह और अक्षयकुमार करने के लिए आनंद करने के बाद जमीदारी की भागीदारी हुई। इसके बाद जमीदारी की भागीदारी भी सत्याग्रह में हुआ। यह तीनों जेल भी गए। इस दूंग से रेवरा बिहार के हस्तियों ने भाग लिया। बिहार में 1929 में स्वामी सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में बिहार प्रदेश किसान सभा का गठन हुआ। सभा का गठन की बड़ा ख़ुल्ला ख़ुल्ला था। राष्ट्रीय स्तर पर राहुल सांकृत्यान्वयन ने अमवारी सिवान में सत्याग्रह का नेतृत्व किया था। किसान प्रसाद से रेवरा और बड़हरिया टाल में बिहार के लोगों की बड़ी चलाया था। देश पर प्रसिद्ध रेवरा और बड़हरिया टाल सत्याग्रह में किसानों के लोगों की बड़ी भागीदारी हुई खासकर पूर्व विद्यायक स्वर्गीय राम किशन सिंह, मकनपुर निवासी स्वर्गीय नुनु सिंह और अंग्रेजी गर्ज की जमीदारी भी नहीं कर पाते थे। इसके बाद जमीदारी की भागीदारी भी सत्याग्रह में हुई। यह तीनों जेल भी गए। इस दूंग







### "मदर आयशा चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल में फेयरवेल पार्टी का हुआ आयोजन"

देवेश निगम संवाददाता समाज जागरण

जौनपुर। शहर के चक चक पुर सिपाह मोहल्ले के जामिया नगर में स्थित मदर आयशा चिल्ड्रेन एकेडमी के बच्चों द्वारा आज दिवं बृहत् विद्यालय के जनिवर बच्चों ने इस फेयरवेल पार्टी में सीनियर बच्चों के बिलाई के लिए इस जल्से का आयोजन किया जिसमें मदर आयशा के जूनियर बच्चों ने सीनियर बच्चों को बिद देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों प्रस्तुत कर आये बड़े भाई बहन का मन मोह लिया और लोगों को रोने के लिए मजबूर कर दिया। स्कूल के जूनियर बच्चे जो ब्लास 8, 9, 10 और 11 के थे वे सभी अपने रूप से बिछड़े के अवसर पर बहुत ही खाली हो गए। इस अवसर पर सीनियर बच्चों भी अपने छोटे खाली होने का यार पाकर भाव विधाया हो गए। इस अवसर पर सख्ती के माहौल में जूनियर बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खुब वाहवाही लूटी। ब्लास 11 के बच्चों ने सोशल मीडिया द्वारा फैल रहे बुरायों से दूर रहने के लिए एक एकांकी प्रस्तुत कर उपस्थित जगतों को सोचने और समझने के लिए मजबूर कर दिया। लोगों द्वारा सोशल मीडिया और मोबाइल पर च्वस्त रह का जो अभिभावक बच्चों से दूर हो जा रहे हैं और बच्चों को समय नहीं दे रहे हैं वह बच्चों को समय दें, इसी भाव का एकांकी बच्चों ने विशेष रूप से प्रस्तुत किया कि तभाम अभिभावक जो मोबाइल पर तो च्वस्त है पर अपने बच्चों को मार्गदर्शन देने के लिए समय नहीं निकल पा रहे हैं उनके बच्चे उसी सोशल मीडिया के जाल में अँसूकर अपने जीवन के बर्बाद कर रहे हैं इस एकांकी के माध्यम से बच्चों ने उपस्थित लोगों को प्रेरणा दिया बच्चों को समय दें उनके समस्याओं को सुनें और उनके समस्याओं का निराकरण करें सोशल मीडिया का प्रयोग बच्चे



उतना ही करें जितना आवश्यक है। हर चीज सोशल मीडिया पर आधारित ना हो, बच्चों ने एकांकी गीर प्रस्तुत कर माहौल को गमगीन बना दिया। कार्यक्रम में सभी सीनियर बच्चों का एक दर्द और अपने शिक्षकों और शिक्षिकाओं द्वारा मिल खड़ी मीठी यादों को सभी के साथ शेयर किया। अंत में विद्यालय के प्रबंधक जवाब अनवर साहब कासमी ने बच्चों को सुधाकरणाएं देते सफलता की शुभकामनाएं दी और बच्चों के सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। कार्यक्रम का संचालन हुए बच्चों का हीसला अफज़ाइ किया और कहा जी आप सभी यादों में सफल होकर जीवन में अपने वाले सभी परेशाओं में सफल हो। आप के कहा की सफलता प्राप्त करके ही

जीवन को सफल बनाया जा सकता है। इसी क्रम में विद्यालय के वाइस चेयरमैन अबू अकरम साहब, जगतन नैयर साहब, विद्यालय के प्रिसिल एम जमा खान साहब, श्री चितरंजन कर्वेट स्कूल के प्रबंधक दिलीप कुमार यासवाल सर, दिनेश सर, हुस्तारन मिस, आरसिफ एवं दूसरे विद्यालय से विद्यार्थी तथा लोगों ने बच्चों को सफलता की शुभकामनाएं दी और अपने शिक्षकों और शिक्षिकाओं द्वारा मिल खड़ी मीठी यादों को सभी के साथ शेयर किया। अंत में विद्यालय के प्रबंधक जवाब अनवर साहब कासमी ने बच्चों को सुधाकरणाएं देते हुए बच्चों का हीसला अफज़ाइ किया और कहा जी आप सभी यादों में सफल होकर जीवन में अपने वाले सभी परेशाओं में सफल हो। आप के कहा की सफलता प्राप्त करके ही

### गोदरेज अप्लायंसेज ने भारत का पहला लीक प्रूफ स्प्लिट एयर कंडीशनर लॉन्च किया

~ इसकी अग्रणी एंटी-लीक टेक्नोलॉजी (पेटेंट एप्लाइड) ने एसी से पानी के रिसने की समस्या को हल कर दिया है ~ आ रही गर्मी के मौसम में एसी श्रेणी में पिछले वर्ष की तुलना में 2 गुनी बिक्री में वृद्धि का लक्ष्य

दिल्ली, 16 फरवरी 2023: गोदरेज समूह की प्रमुख कंपनी, गोदरेज एंड बॉयस की व्यावसायिक इकाई, गोदरेज अप्लायंसेज ने भारत का पहला लीक प्रूफ स्प्लिट एयर कंडीशनर लॉन्च किया है। इसके एंटी-लीक तकनीक का प्रयोग किया गया है और इसके लिए पेटेंट भी दावर किया गया है। अपने ब्रांड की विचारधारा 'सोच के बनाया है' के अनुरूप, यह शक्तिशाली उद्योग-प्रथम, अग्रणी नवाचार आज एसी उपभोक्ताओं के सामने आने वाली कई समस्याओं को हल करने का बाद करता है।

घर के अंदर एयर कंडीशनर से पानी की स्रिसाव की जाने वाली एक आम समस्या है। अनुभवित रूप से 85% एसी उपभोक्ता उत्ताद के जीवनकाल में कम से कम एक बार इस समस्या का सामना जरूर करते हैं और परियाम्बरस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में से एक है। यह देखते हुए, कि एयर कंडीशनर ग्राहकों द्वारा किए गए सभी बासेस महर्गे उपकरण निवेदों में से एक हैं और इसका घर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है। कर्मरे के अंदर पानी टपकना निराशजनक अनुभव है। लोग वास्तव में स्थायी समाधान प्राप्त किए बिना मरम्मत सेवाओं का सहारा लेते हैं या अस्थायी समाधान अपनाते 2 / 3 हैं। केवल खूबसूरी और शर्मिंदी ही चिंता की बात नहीं है, बल्कि इसके जुड़ी कई अन्य समस्याएं भी हैं, जैसे दीवार पेंट या वॉलपेपर खराब हो जाना, प्रतिस्थापन की आवश्यकता, नीचे लग जाए और इसके लिए एक बार बाहर निकलने की चालते उसमें फॉन्ड उगने लगती है, जिससे संभावित व्यायामस्वरूप, यह समस्या एसी से











